गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-629

पाठ्यक्रम का शीर्षक: उत्तर आधुनिक विमर्श

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता के अंतस्संबंध से परिचित कराना। • उत्तर आधुनिकता और बाज़ारवाद से अवगत कराना। • उत्तर आधुनिकता का साहित्य, राजनीति, समाज पर पड़ने वाले प्रभाव से परिचित कराना। • हाशिए के समाज पर पड़ने वाले प्रभाव से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1. आधुनिकता और आधुनिकतावाद: अवधारणा एवं स्वरूप।** • उत्तर आधुनिकता : उद्भव और विकास • उत्तर आधुनिक विमर्श • आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता का अंतस्संबंध • उत्तर आधुनिक विमर्श : बाज़ारवाद और भूमंडलीकरण	**12**
	2. उत्तर आधुनिक विमर्श का अन्य क्षेत्रों से संबंध • साहित्य • राजनीति • समाज • संस्कृति	**12**

	• धर्म	
	3. उत्तर आधुनिक विमर्श की परंपरा • स्त्री • दलित • आदिवासी • विस्थापन • अल्पसंख्यक	**12**
	4. निर्धारित रचनाएँ • उपन्यास वीरेंद्र जैन: डूब मनोहर श्याम जोशी : कुरु-कुरु स्वाहा.... • नाटक सुरेंद्र वर्मा : आठवाँ सर्ग • कहानियाँ उदय प्रकाश : तिरिछ पंकज बिष्ट : बच्चे गवाह नहीं हो सकते महेश कटारे : मुर्दा स्थगित स्वदेश दीपक : बाल भगवान • कविताएँ केदारनाथ सिंह : अकाल में दूब विष्णु खरे : सिर पर मैला ढोने की प्रथा सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ अनुज लुगुन : बाघ और सुगना मुंडा की बेटी	**24**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) जैन, वीरेंद्र. डूब. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 2) जोशी, श्याम. कुर-कुरु स्वाहा. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 3) प्रकाश, उदय. तिरिछ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001. 4) लुगुन, अनुज. बाघ और सुगना मुंडा की बेटी. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2019. 5) वर्मा, सुरेंद्र. आठवाँ सर्ग. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1977.	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1) आर्य, साधना. मेनन, निवेदिता. जिनी लोकनीता (सं०). नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2013. 2) कुमार, राधा. स्त्री संघर्ष का इतिहास (1800-1900), (अनुवाद एवं संपादन : रमाशंकर सिंह दिव्यदृष्टि). वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 3) खेतान, प्रभा. उपनिवेश में स्त्री मुक्ति कामना की दस वार्ताएँ. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 4) जोशी, गोपा. भारत में स्त्री असमानता एक विमर्श. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली, 2011. 5) दुबे, अभय कुमार (सं०). आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008. 6) दुबे, अभय कुमार (सं०). भारत का भूमंडलीकरण. वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2000. 7) दुबे, अभय कुमार (सं०). समाज विज्ञान कोश भाग 1 से 6. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 8) नारंग, गोपीचंद. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2005. 9) पचौरी, सुधीश. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श. वाणी प्रकाशन दिल्ली, 2000. 10) पचौरी, सुधीश. देरिदा का विखंडनवाद और साहित्य. वाणी प्रकाशन दिल्ली, 1997. 11) पचौरी, सुधीश. देरिदा विखंडन की सैद्धांतिकी. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 12) पांडेय, शशिभूषण. उत्तर आधुनिक बहुआयामी संदर्भ. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. 13) पांडेय, शशिभूषण. भाषा-विमर्श: नव्य भाषा वैज्ञानिक संदर्भ. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2013. 14) पालीवाल, कृष्णदत्त. उत्तर आधुनिकता की ओर. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2016. 15) श्रीवास्तव, रवि. उत्तर आधुनिकता. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, 2006. 16) सिंह, पुष्पपाल. भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 17) सिंह, सुधा. ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ. ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2008.	

अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी उत्तर आधुनिक विमर्श के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। • विद्यार्थी आधुनिकता तथा उत्तर आधुनिकता के अंतस्संबंध से परिचित होंगे। • विद्यार्थी उत्तर आधुनिक विमर्श में भाषा की संरचना के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। • विद्यार्थी नारीवाद के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।	